



Bhajankilyrics

बाला सा थाने कोण सजाया जी हर्दी भजन लरिकिस्

Downloaded on: May 1, 2025

बाला सा थाने कोण सजाया जी हर्दी भजन लरिकिस् बाला सा थाने कोण सजाया जी,
म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी।। श्लोक उत्सव आप को आ गयो, खूब
सज्यो शृंगार, वीर बजरंगी मैं आपकी, लेऊँ नज़र उतार। बाला सा थाने कोण सजाया
जी, म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी, म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत
मतवारी।। थारे हाथ में घोटा, लाल लंगोटा जी, थारे लाल सद्विर चढ़े, थे देव हो बलकारी,
बाला सा थाने कुण सजाया जी, म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी।। थारा
उत्सव आया, मन हरषाया जी, सब झूम झूम नाचे, जय बोले है थारी, बाला सा थाने
कुण सजाया जी, म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी।। थे राम नाम की, धुन में
मतवाला जी, है अजर अमर गाथा, है माया अजब थारी, बाला सा थाने कुण सजाया जी,
म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी।। माला को तोड़ा, सीने ने चरि दीयो, हो
अंजनी के लाला, जय हो जय हो थारी, बाला सा थाने कुण सजाया जी, म्हारे मनडो हर
लीनो, थारी सूरत मतवारी।। लक्खा सहि थारा, लाड लड़ावे जी, थारी सूरत पे बाबा,
बनवारी बलहारी, बाला सा थाने कुण सजाया जी, म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत
मतवारी।। बाला सा थाने कोण सजाया जी, म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी,
म्हारे मनडो हर लीनो, थारी सूरत मतवारी।